ए.ई.सी., एम.आई.एल. (ABILITY ENHANCEMENT COURSES, MIL) 01 : लेखन कौशल

प्रथम समसत्र अथवा द्वितीय समसत्र

कोड – AEC – 1 & AEC – 2 अंक – 50

क्रेडिट – 02 समय – 02 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम (व्यावहारिक) परिणाम निम्नवत होगा –

- विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी ।
- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे ।
- विद्यार्थी लेखन कला सीख सकेंगे ।

निर्धारित पाठ्यक्रम –

इकाई 1 - लेखन कौशल–लेखन–अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं प्रकार, मीडिया लेखन (समाचार, सम्पादकीय, फीचर, संपादक के नाम पत्र आदि), संवाद लेखन, जीवन वृत्त (बायोडाटा) – 01 क्रेडिट

इकाई 2 - प्रयोजनमूलक हिंदी–सामान्य परिचय
टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, ज्ञापन, अनुवाद, संक्षेपण, पल्लवन – 01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ –

- प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
- हिंदी प्रयोग – रामचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
- अच्छी हिंदी – जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यागार, जयपुर
- हिंदी व्याकरण – बासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
- संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

ए.ई.सी., एम.आई.एल. (ABILITY ENHANCEMENT COURSES, MIL) 02 : सम्प्रेषण कौशल

कोड – AEC – 3 अंक – 50

क्रेडिट – 02 समय – 02 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम (व्यावहारिक) परिणाम निम्नवत होगा –

- विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में औपचारिक, अनौपचारिक विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी ।
- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे ।
- विद्यार्थी पत्र के माध्यम से लेखन कला सीख सकेंगे ।

निर्धारित पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – पत्र–लेखन (औपचारिक,अनौपचारिक), ज्ञापन, निबंध, पल्लवन, संक्षेपण – 01 क्रेडिट

इकाई 2 – लिंग निर्णय, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द कर्त्ता के 'ने' चिह्न का प्रयोग, वाक्य संशोधन – 01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ –

- हिंदी व्याकरण – उमेश चंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सरल हिंदी व्याकरण – वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना

ए.ई.सी., एम.आई.एल. (ABILITY ENHANCEMENT COURSES, MIL) 03 : भाषायी कौशल

कोड – AEC – 3 अंक – 50

क्रेडिट – 02 समय – 02 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम (व्यावहारिक) परिणाम निम्नवत होगा –

- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे।
- विद्यार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।
- भाषायी त्रुटियों को दूर कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम –

इकाई 1 - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, वक्तृता कौशल – 01 क्रेडिट

इकाई 2 - कारक, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुच्छेद लेखन – 01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ

- प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
- हिंदी प्रयोग – रामचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
- अच्छी हिंदी – जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यागार, जयपुर
- हिंदी व्याकरण – बासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना